मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को डूंगरपुर में चौरासी व सलुम्बर उपचुनावों के संदर्भ में भाजपा कार्यकर्त्ताओं की बैठक ली तथा जिले में विभिन्न विभागों की योजनाओं की समीक्षा की। डूंगरपुर पहुँचने पर पुलिस लाइन हैलीपैड पर उनका स्वागत किया गया व गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

जिन्होंने युवाओं को आँसू देने का काम किया है उन्हें छोड़ा नहीं जायेगा: भजनलाल शर्मा

डूंगरपुर में मुख्यमंत्री ने कहा कि देश विरोधी बात करने वाले को नहीं बख्शा जायेगा

डूंगरपुर, 9 अक्टूबर (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को अपने एक दिवसीय प्रवास के दौरान, चौरासी व सलूम्बर विधान सभा क्षेत्र के आगामी उप चुनावों को लेकर मण्डल स्तरीय कार्यकर्ताओं की एक बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा, इन दोनों उप चुनावों में पार्टी कार्यकर्ता पूरे मनोयोग के साथ काम करते हुए जीत सुनिश्चित करें, ताकि क्षेत्र की जनता को विकास के मूलमंत्र के साथ जोड़ा जा सके।

गुरुकुल पी.जी. कॉलेज में आयोजित इस बैठक में उन्होंने कार्यकर्ताओं को भरोसा दिलाया कि केन्द्र व राज्य में सत्ता हमारी होने के कारण कार्यकर्ताओं की भावनाओं का पूरा ख्याल रखा जायेगा। साथ ही, उन्होंने चेतावनी भी दी कि देश विरोधी बात

■ मुख्यमंत्री ने उदयपुर संभाग की आदिवासी बैल्ट, चौरासी व सलुम्बर में होने वाले विधानसभा उपचुनावों में भाजपा की जीत के बारे में पार्टी कार्यकर्त्ताओं से फीडबैक लिया।

करने वाले किसी भी कर्मचारी को बख्शा नहीं जायेगा और ऐसे तत्वों को चिन्हित कर उनके खिलाफ प्रभावी कार्यवाही की जायेगी।

उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने राज्य के युवाओं को आंसू देने का काम किया है, उन्हें छोड़ा नहीं जायेगा, युवा अपने भविष्य के प्रति निराश न हों। मुख्यमंत्री ने कार्यकर्ताओं से कहा कि अधिक से अधिक महिलाओं को पार्टी से जोड़ें एवं आगामी उप चुनावों में पार्टी की जीत सुनिश्चि करें, ताकि विकास यात्रा को अनवरत गति से जारी रखा जा सके। इस दौरान, दोनों विधानसभा क्षेत्रों के मण्डल कार्यकर्ताओं के साथ वार्ता करते हुए मुख्यमंत्री ने समस्याएं सुनीं तथा हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

बुधवार दोपहर को डूंगरपुर के दौरे पर पुलिस लाइन हेलीपेड पर भाजपा कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। इसके बाद बोरी में गुरुकुल कॉलेज में चौरासी और सलूंबर विधानसभा क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ मुख्यमंत्री ने बंद कमरे में मंत्रणा की तथा कार्यकर्ताओं से फीडबैक लिया। इस यात्रा में मुख्यमंत्री के साथ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ भी थे। पुलिस लाइन हेलीपेड पर राज्यसभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया, जिलाध्यक्ष हरीश पाटीदार, पूर्व मंत्री सुशील कटारा, सागवाड़ा विधायक शंकर डेचा सहित भाजपा नेताओं ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। गुरुकुल कॉलेज में श्रीचंद कृपलानी एवं पूर्व राज्यसभा सांसद हर्षवर्धन सिंह समेत कई नेताओं ने उपरणा ओढ़ाकर उनका स्वागत किया। इसके बाद, मुख्यमंत्री भाजपा की संगठनात्मक बैठक में शामिल हुए। कॉलेज परिसर के हॉल में डूंगरपुर के चौरासी और सलूंबर विधानसभा के भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता, विस्तारक मौजूद थे।

बॉर्डर पर 2,280 किलोमीटर सड़क बनेगी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में हुई केन्द्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में राजस्थान और पंजाब के सीमावर्ती क्षेत्र में 2,280 किलोमीटर सड़क बनाने की मंजूरी दे दी है। सीमावर्ती क्षेत्रों में इन्फ्रास्ट्रक्चर मजबूत करने के लिए यह मंजूरी दी गई है। इस पर 4,406 करोड़ रूपए की लागत आएगी।

■ केन्द्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में 4,406 करोड़ रू. की लागत के इस प्रोजैक्ट को मंजूरी दी गई। इसमें राजस्थान और पंजाब के बॉर्डर पर सड़क बनाई जाएगी।

यह प्रोजैक्ट सोच में आए बदलाव का नतीजा है, जिसके तहत देश के अन्य भागों की तरह सीमावर्ती क्षेत्रों में विकास किए जाने को भी महत्व दिया जा रहा है।

इस निर्णय से इन क्षेत्रों में सड़क व दूरसंचार कनैक्टिविटी बढ़ेगी और जल आपूर्ति, स्वास्थ्य व शिक्षा के क्षेत्र में विकास होगा, ग्रामीणों का जीवन स्तर सुधरेगा, यात्रा की सुविधा होगी।

पैंथर ने सायरा के पास दो बछड़ों का शिकार किया

वन विभाग ने पैंथर की तलाश के लिए लाइव स्ट्रीमिंग सी.सी.टी.वी. कैमरे लगाये

उदयपुर, 9 अक्टूबर (कासं)। जिले की गोगुंदा तहसील में पैंथर अब तक वन विभाग के जाल में नहीं फंसा है, वो टीम को छका रहा है और थका भी रहा है। टीम को पैंथर के पगमार्क मिले हैं और जंगल में अब सी.सी.टी.वी. कैमरे भी लगाये जा रहे हैं। गोगुंदा से करीब 45 किमी दूर सायरा में भी पैंथर के मूवमेंट की जानकारी मिली है।

आदमखोर पैंथर को पकड़ने के लिए वन विभाग ने जंगल में लाइव स्ट्रीमिंग करने वाले सी.सी.टी.वी. कैमरे लगवाए हैं। इससे पहले ट्रेप कैमरे लगवाए गए थे लेकिन उनका डेटा अगले दिन प्राप्त होने के कारण एक्शन लेने में देर हो रही थी। अब सी.सी.टी.वी. कंट्रोल एक्सेस से तुरंत पता चल जाएगा कि पैंथर का मूवमेंट शूटर वाली टीम के आस पास हो रहा है या नहीं।

पैंथर ने मंगलवार रात सायरा थाना क्षेत्र के पदराडा गांव में पूर्व सरपंच हरिसिंह राणावत के घर के परिसर में बंधे दो बछड़ों का शिकार किया। बुधवार सुबह जानकारी मिलने पर बड़ी संख्या में ग्रामीण जुट गए और वन विभाग को सूचना दी। ग्रामीणों ने बताया कि पिछले 10 दिन से पदराडा

■ गोगुंदा से 25 किलोमीटर दूर सायरा के परराडा गाँव के पेट्रोल पम्प के पास सोमवार रात 11:30 बजे पैंथर नज़र आया था।

■ एमरजैंसी रैस्पाँस टीम को मंगलवार की रात जंगल में पैंथर के "पग मार्क" मिले।

गांव के आसपास पैंथर का मूवमेंट बढ़ा है। इससे पहले पैंथर एक गाय का शिकार कर चुका है।

पदराडा के पेट्रोल पंप के समीप भी पैंथर के विचरण की जानकारी मिली है। सुआवतो का गुडा गांव के बंशीलाल मेघवाल ने बताया कि सोमवार रात करीब 11.30 बजे पदराडा के पेट्रोल पंप के पास पैंथर देखा था। मंगलवार दोपहर को सड़क किनारे एक गाय मृत मिली थी। उनका अंदेशा है कि पैंथर ने ही गाय को मारा है। गोगुंदा में पैंथर की तलाश के लिए वन विभाग की टीम बडगांव पंचायत समिति के राठौडों का गुडा और पड़ोसी गांव गोगुंदा के केलवों का खेडा में तैनात है। जयपुर से आई एमरजैंसी रैस्पाँस टीम (ई.आर.टी.) के दल ने बुधवार को भी जंगल को खंगाला। टीम को मंगलवार रात जंगल में पैंथर के पगमार्क मिले थे। पगमार्क के आधार पर पता चला कि पैंथर आगे की तरफ बढ़ता गया है। वन अधिकारियों का मानना है कि पगमार्क से पैंथर के यहीं पर होने का अंदेशा है। दल में अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक (एडिशनल पी.सी.सी.एफ.) वाइल्ड लाइफ, राजेश गुप्ता, रणथंभौर के फील्ड डायरेक्टर अनूप के.आर. और केवलादेव नेशनल पार्क के डी.एफ.ओ. मानस सिंह ने स्थानीय अधिकारियों और ग्रामीणों से भी फीडबैक लिया है।

वन विभाग अधिकारियों ने बताया कि सी.सी.टी.वी. कैमरे सोलर ऊर्जा से चलने वाले हैं और इनका एक्सेस एक टीम और कुछ अधिकारियों को दिया गया है। इनसे लगातार निगरानी की जाएगी। उसके बाद जैसे ही पैंथर दिखेगा, तो उसे ट्रेंक्यूलाइज या शूट करने के लिए वहां तैनात टीम को अलर्ट कर दिया जाएगा।

दिवराला सती महिमा मंडन प्रकरण में 8 आरोपी बरी

जयपुर, 9 अक्टूबर। सती निवारण मामलों की विशेष अदालत ने सीकर के दिवराला में वर्ष 1987 में हुए रूप कंवर सती कांड के बाद घटना के महिमामंडन के मामले में आठ आरोपियों, महेन्द्र सिंह, दशरथ सिंह, श्रवण सिंह, निहाल सिंह, जितेन्द्र सिंह, उदय सिंह, लक्ष्मण सिंह और भंवर सिंह को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया है। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपियों पर लगाए गए आरोप को साबित नहीं कर पाया है। ऐसे में उन्हें संदेह का लाभ देना उचित होगा। मामले में वर्ष 2004 में अदालत प्रताप सिंह,

■ विशेष अदालत ने वर्ष 1989 में हुई इस घटना के महिमा मंडन के मामले में आठ आरोपियों को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया।

राजेन्द्र सिंह राठौड़ और रूप कंवर के भाई गोपाल सिंह राठौड़ सहित 25 लोगों को बरी कर चुकी है, जबकि मूल घटना के बाद गिरफ्तार किए गए 32 लोगों को सीकर की कोर्ट अक्टूबर, 1996 में बरी कर चुकी है।

मामले के अनुसार, जयपुर निवासी रूप कंवर का विवाह दिवराला के मालसिंह के साथ हुआ था। विवाह के करीब सात माह बाद ही मालसिंह की बीमारी से मौत हो गई थी। चार सितंबर, 1987 को 18 वर्षीय रूप कंवर की, अपने पति मालसिंह की चिता के साथ जलकर मौत हो गई थी। इसके बाद 22 सितंबर, 1988 को समाज के लोगों ने दिवराला से अजीतगढ़ तक जुलूस निकाला, लेकिन बारिश के कारण जुलूस ज्यादा आगे नहीं चल पाया। रात करीब आठ बजे 45 लोगों ने ट्रक में बैठकर जुलूस को फिर से शुरू किया। इसके चलते, पुलिस ने इन 45 आरोपियों को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के महज चार दिन बाद ही, पुलिस ने 26 सितंबर को इनके खिलाफ आरोप पत्र पेश किया था। लंबी सुनवाई के बाद, अदालत ने इनमें से 25 लोगों को साल 2004 में बरी कर दिया था। मामले में 11 सितंबर, 2019 को आरोपी लक्ष्मण सिंह ने अदालत में समर्पण किया था। इन 45 लोगों में से करीब आधा दर्जन लोगों की मौत हो चुकी है और इतने ही फरार चल रहे हैं।

तीन वैज्ञानिकों को कैमिस्ट्री का नोबल

स्टॉकहोम, 9 अक्टूबर। साल 2024 के रसायन विज्ञान के क्षेत्र में नोबल पुरस्कार के विजेताओं का ऐलान कर दिया गया है। रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साईन्सेज़ ने बुधवार को बताया है कि रसायन विज्ञान में 2024 का प्रोटीन पर रिसर्च के लिए पुरस्कार डेविड बेकर, डैमीस हसाबिस और जॉन एम. जम्पर को देने का फैसला लिया है। डेविड बेकर को "कम्प्यूटेशनल प्रोटीन डिजाइन" के लिए के लिए पुरस्कार मिला है। डैमीस हसाबिस और जॉन जम्पर को "प्रोटीन स्ट्रक्चर प्रैडिक्शन" (प्रोटीन संरचना की भविष्यवाणी) के लिए चुना गया है।

रॉयल स्वीडिश अकैडमी ऑफ साईन्सेज़ के महासचिव हैंस एलेठोन ने बताया है कि इस साल का रसायन विज्ञान का नोबल दो हिस्सों में दिया जा रहा है। एक हिस्से में डेविड बेकर हैं और दूसरे

■ प्रोटीन पर रिसर्च के लिए दिए गए इस अवॉर्ड में आधी पुरुस्कार राशि डेविड बेकर को नये प्रोटीन के निर्माण के लिए तथा आधी राशि डैसीस हसाबिस और जॉन जम्पर को प्रोटीन की जटिल संरचनाओं की भविष्यवाणी के लिए दिया गया है।

आधे हिस्से में संयुक्त रूप से डैमीस हसाबिस और जॉन एम. जम्पर हैं। डेविड बेकर सिएटल में यूनिवर्सिटी ऑफ वाशिंगटन में काम करते हैं तथा डैमीस हसाबिस और जॉन जम्पर लंदन में गूगल डीपमाइंड में काम करते हैं।

बेकर ने पूरी तरह से नए प्रकार के प्रोटीन के निर्माण की लगभग असंभव उपलब्धि हासिल की है। वहीं, हसाबिस और जम्पर ने प्रोटीन की जटिल संरचनाओं की भविष्यवाणी करने की 50 साल पुरानी समस्या को हल करने के लिए एक ए.आई. मॉडल तैयार किया है। रॉयल स्वीडिश अकैडमी ने कहा है कि बेकर के रिसर्च ग्रुप ने कई प्रोटीन का उत्पादन किया है, जिनका उपयोग फार्मास्यूटिकल्स, टीके, नैनोमटीरियल्स और छोटे सैंसर के तौर में किया जा सकता है।

हरियाणा के निर्दलीयों ने भाजपा को समर्थन दिया

चंडीगढ़ , 09 अक्टूबर। हरियाणा विधानसभा में चुने गये तीनों निर्दलीय विधायकों ने भारतीय जनता पार्टी को अपना समर्थन देने की घोषणा की है।

चुनाव में तीन निर्दलीय विधायक, सावित्री जिंदल, देवेन्द्र कादियां और राजेश जून, क्रमशः हिसार, गनौर एवं बहादुरगढ़ से चुने गये थे। इनमें से जिंदल और कादियां भाजपा के बागी थे और जून कांग्रेस के बागी थे। हरियाणा भाजपा ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैन्डल पर यह जानकारी दी है।

भाजपा को 48 सीटें मिली हैं, जो बहुमत के आँकड़े 46 अधिक थीं, तीन निर्दलीय विधायकों का समर्थन मिलने पर भाजपा ने लिखा है, शगुन की संख्या इक्यावन।

रतन टाटा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

केयर यूनिट में भर्ती हैं। उनका ब्लड प्रेशर काफी कम हो गया था।

इसके बाद रतन टाटा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर बताया था, मैं ठीक हूं और ज्यादा उम्र के कारण रुटीन चेकअप के लिए अस्पताल गया था।

चिंता की कोई बात नहीं है। 28 दिसंबर 1937 को जन्मे रतन टाटा, टाटा ग्रुप के संस्थापक जमशेदजी टाटा के परपोते हैं। वे 1990 से 2012 तक ग्रुप के चेयरमैन थे और अक्टूबर 2016 से फरवरी 2017 तक अंतरिम चेयरमैन थे। रतन, टाटा ग्रुप के चैरिटेबल ट्रस्ट्स के प्रमुख थे।

हरियाणा की जीत का साउथ इफैक्ट

हरियाणा में लगातार तीसरी बार जीतने से दक्षिण भारत में भाजपा की ताकत बढ़ी है

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। हरियाणा में भाजपा की लगातार तीसरी जीत का निश्चित रुप से दक्षिण पर पार्टी के लिए काफी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा, खासकर आंध्र प्रदेश में और तमिलनाडु में।

भाजपा में जन सेना नेता पवन कल्याण के करीब आने के प्रयास चल रहे हैं और कोशिश यह है कि पवन कल्याण को जन सेना का भाजपा में विलय करने के लिए मनाया जाए और हिन्दुत्व की मुहिम को आगे बढ़ाने के लिए कहा जाए। पवन कल्याण इस समय सनातन धर्म को मजबूत करने की बात कर रहे हैं और मंदिरों को सरकार के नियंत्रण से मुक्त कराने की बात कर रहे हैं। ऐसे सुझाव दिए जा रहे हैं कि पवन कल्याण से तमिलनाडु में भी यह अभियान चलाने के लिए कहा जाए। फिल्म स्टार से नेता बने पवन कल्याण इस मसले को लेकर सड़कों पर उतर आए है। तमिलनाडु में अन्नामलाई, जो अभी विदेश में हैं, पहले ही मंच तैयार कर चुके हैं। भाजपा नेता चाहते हैं कि तमिलनाडु में पवन कल्याण और अन्नामलाई संयुक्त रुप से अभियान चलाएं। इस जीत ने भाजपा में संगठनात्मक बदलाव को लेकर व्याप्त तमाम संदेहों को खत्म कर दिया है।

■ आंध्र में भाजपा, जन सेना के पवन कल्याण के साथ मिलकर हिंदुत्व मुहिम को शुरु कर चुकी है। तिरुपति लड्डू में पशु चर्बी की मिलावट से शुरु हुई यह मुहिम मंदिरों को सरकार के नियंत्रण से मुक्त कराने तक पहुँच चुकी है, जो निश्चित रुप से चंद्रबाबू को अटपटी स्थिति में ला सकती है।

■ भाजपा चाहती है कि पवन कल्याण पार्टी सहित भाजपा में आ जाएं और फिर अन्नामलाई के साथ मिलकर तमिलनाडु में भी यह मुहिम शुरु करें।

■ कर्नाटक में भी भाजपा भ्रष्टाचार के आरोपों से जूझ रहे मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ उग्र अभियान शुरु करेगी।

संभावना है कि आर.एस.एस. अब भाजपा के अध्यक्ष पद पर अपनी पसंद का नेता लाने की कोशिश कम कर देगी, जिसकी सोशल मीडिया पर भारी चर्चा हो रही थी। अभी तक भाजपा अध्यक्ष मोदी के प्रति निष्ठावान रहे हैं। चर्चा थी कि राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे या फिर संजय जोशी, जो मोदी के खिलाफ हैं, को भाजपा का अध्यक्ष बनाया जाएगा, जो पार्टी मामलों में मोदी और शाह पर अंकुश लगाएंगे।

लेकिन हरियाणा के नतीजों ने भाजपा में भारी बदलाव करने की संघ की शक्तियों पर प्रश्न चिन्ह लगा दिया है। इससे दक्षिण में पैर फैलाने की पार्टी की ताकत बढ़ी है। अब भाजपा कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ राजनैतिक मुहिम तेज करेगी, जो पहले ही भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे हुए हैं।

आंध्र प्रदेश में पवन कल्याण की जन सेना उग्र हिंदुत्व अभियान चला रही है और अगर तेलुगूदेशम की तरफ से कोई आपत्ति होती भी है तो भाजपा व जन सेना उसे दरकिनार कर देंगे। आंध्र के अगले विधानसभा चुनावों एवं लोकसभा चुनावों में भाजपा ज्यादा बड़ी ताकत के रुप में मैदान में होगी। अभी भाजपा तेलुगूदेशम और जन सेना के साथ गठबंधन में है, और कुछ सीटें जीती है। पर इस गठबंधन में अब नए समीकरण उभर रहे हैं। खासकर तिरुपति लड्डू विवाद के बाद, जो अब बढ़कर मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त कराने की हद तक पहुंच गया है। यह मांग राज्य सरकार के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण कर रहे हैं। निश्चित रुप से पवन कल्याण इस मांग से तेलुगूदेशम को मुश्किल में डाल सकते हैं क्योंकि 80 के दशक में जब तेलुगूदेशम बनी थी और एन.टी. रामाराव मुख्यमंत्री बने थे, तब आंध्र प्रदेश चैरिटेबल एण्ड हिंदू रिलीज़ियस इंस्टीट्यूशन एण्ड एन्डाऊमैंट्स एक्ट बनाया था जो कि मंदिरों में लोकतांत्रिक काम काज सुनिश्चित करने के लिए बनाया गया था। पवन कल्याण की मांग उस कानून को निरस्त कर मंदिर की सत्ता कुछ ही हाथों में सीमित कर देने की है।

विश्व हिंदू परिषद भी पवन कल्याण के साथ आ गई है और वह देश भर के मंदिरों को सरकार के नियंत्रण से निकालने और इनका नियंत्रण सनातन धर्म रक्षण बोर्ड को देने की मांग कर रही है।

यह मांग चंद्रबाबू की राजनीति के खिलाफ है, क्योंकि वे हमेशा से धर्मनिरपेक्षता के पक्षधर रहे हैं।

अदालत ने सी.एम. को विदेश जाने की सशर्त अनुमति दी

जयपुर, 9 अक्टूबर। जिले के अतिरिक्त सत्र न्यायालय क्रम-4 ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को 13 अक्टूबर से 25 अक्टूबर तक जर्मनी और यू.के. जाने की सशर्त अनुमति दे दी है। अदालत ने ये आदेश मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रार्थना पत्र को स्वीकार करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि विदेश जाने से पूर्व यात्रा का विवरण अदालत में पेश किया जाए। इसके अलावा, विदेश यात्रा से आने पर इसकी सूचना तत्काल अदालत में पेश की जाए। अदालत ने कहा कि उनकी अनुपस्थिति के आधार पर अदालत की कार्रवाई में कोई रुकावट नहीं की जाएगी और न अनावश्यक स्थगन ही लिया जाए।

मुख्यमंत्री की ओर से अधिवक्ता अश्विनी बोहरा द्वारा प्रार्थना पत्र पेश कर कहा गया कि प्रार्थी के खिलाफ एक

■ अनुमति में, विदेश जाने से पहले यात्रा का विवरण तथा वापस आने पर अदालत को तत्काल सूचना देने की शर्त लगाई है।

मामले में 30 सितंबर 2013 को कोर्ट में चालान पेश किया गया था। प्रार्थी प्रदेश के मुख्यमंत्री हैं और उन्हें अक्सर राजकार्य से बाहर जाना पड़ता है। उन्हें "राइज़िंग राजस्थान" कार्यक्रम के तहत विदेशी निवेशकों से चर्चा व संवाद और प्रदेश में निवेश के निमंत्रण के लिए 13 से 25 अक्टूबर तक यू.के. व जर्मनी की यात्रा करनी है। पूर्व में भी, इस संबंध में एक व्यक्ति सांवरमल ने एक प्रार्थना पत्र पेश किया था, जो कोर्ट में पेंडिंग है। उन्होंने अग्रिम जमानत की शर्तों की अवहेलना नहीं की है। केस में कोई नया विवाद या नई पेचीदगियां पैदा नहीं हों, इसके लिए कोर्ट से विदेश जाने की मंजूरी लेने के लिए प्रार्थना पत्र दायर किया है। इसलिए उन्हें विदेश जाने की मंजूरी दी जाए।

कांग्रेस ने चुनाव आयोग को हरियाणा चुनाव पर 20 शिकायतें सौंपी

आयोग से बैठक के बाद कांग्रेस नेताओं ने कहा, 48 घंटे में और शिकायतें पेश करेंगे

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। हरियाणा चुनाव में कांग्रेस को मिली करारी शिकस्त के बाद, जयराम रमेश सहित कई पार्टी नेताओं ने इसे अस्वीकार्य बताया था और चुनाव आयोग पर भी सवाल खड़े किए थे। इसी के बाद, चुनाव आयोग ने बुधवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को पत्र लिखा। इसमें कहा गया कि कांग्रेस नेताओं ने जिस तरह के बयान दिए, वो लोकतांत्रिक व्यवस्था में कभी नहीं सुने गए। साथ ही, कांग्रेस के 12 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल को बैठक के लिए बुलाया गया। बुधवार शाम को हुई इस बैठक के बाद कांग्रेस नेताओं ने बताया कि हमने चुनाव आयोग के सामने अपनी बातें रख दी हैं। बीस शिकायतें हमारे पास थीं। अगले 48 घंटों में हम बाकी शिकायतें भी उनके सामने रखेंगे। चुनाव आयोग ने हमें आश्वासन दिया है कि वह इनके जवाब देगा।

चुनाव आयोग से मुलाकात के बाद कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि आज केसी वेणुगोपाल, अशोक गहलोत, अजय माकन, जयराम रमेश, भूपिंदर सिंह हुड्डा और पार्टी के अन्य नेताओं ने चुनाव आयोग के अधिकारियों से मुलाकात की। हमने चुनाव आयोग को हर बात से अवगत कराया। करीब 20 शिकायतें, जो हमारे पास आई थीं, उनमें से 7 लिखित शिकायतों में ऐसी मशीनों का जिक्र था, जो वोटिंग के दिन 99 फीसदी बैटरी दिखा रही थीं। अन्य सामान्य मशीनें 60-70 फीसदी दिखा रही थीं। हमने चुनाव आयोग को इससे अवगत कराया।

पवन खेड़ा ने आगे कहा, हमने मांग की है कि जांच पूरी होने तक उन मशीनों को सील कर सुरक्षित रखा जाए। हमने चुनाव आयोग को यह भी कहा कि अगले 48 घंटों में हम बाकी शिकायतें भी उनके सामने रखेंगे। चुनाव आयोग ने हमें आश्वासन दिया है कि वह जवाब देगा।

हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता

■ कांग्रेस नेताओं की शिकायत के अनुसार, सात जगह वोटिंग मशीनें 99 प्रतिशत बैटरी दिखा रही थीं जबकि, सामान्य मशीनें 60-70 प्रतिशत दिखा रही थीं।

भूपिंदर सिंह हुड्डा ने कहा कि हरियाणा के नतीजे चौंकाने वाले हैं, क्योंकि सभी को लग रहा था कि कांग्रेस सरकार बनने जा रही है। सभी सर्वे रिपोर्ट में यही था। जब पोस्टल बैलेट की गिनती शुरू हुई तो कांग्रेस हर जगह आगे चल रही थी, लेकिन जब ई.वी.एम. की गिनती शुरू हुई तो कांग्रेस पिछड़ रही थी। हमें कई शिकायतें मिली हैं। कई जगहों पर वोटों की गिनती में देरी हुई।

इससे पहले, हरियाणा चुनाव के नतीजों को अस्वीकार्य बताने वाले कांग्रेस नेताओं के बयान पर चुनाव आयोग ने सवाल उठाए। आयोग ने कहा कि देश के समृद्ध लोकतांत्रिक इतिहास में ऐसे बयान पहले नहीं सुने गए। ये बोलने की स्वतंत्रता की वैधानिकता से भी परे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को लिखे पत्र में आयोग ने कहा कि पार्टी नेताओं, जयराम रमेश और पवन खेड़ा की ऐसी टिप्पणियां वैधानिक और नियामक चुनावी ढांचे के अनुसार व्यक्त की गई लोगों की इच्छा को अलोकतांत्रिक तरीके से खारिज करने की ओर ले जाती हैं।

अप्रत्याशित हार के बाद ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

का सवाल है, उनका कहना है कि कांग्रेस पिछले 10 वर्षों में दिल्ली में लोकसभा की एक भी सीट नहीं जीत पाई है, फिर भी इस साल हुये लोकसभा चुनावों में, आप ने तीन सीटें कांग्रेस के लिये छोड़ दी थीं। आप नेताओं का कहना है कि कांग्रेस को, इसका ख्याल रखते हुए ही सही, हरियाणा में आप के लिये कुछ सीटें छोड़नी चाहिये थीं। हालाँकि आप एक भी सीट नहीं जीती है, लेकिन पार्टी को 1.5 प्रतिशत वोट मिले हैं, जिनका कांग्रेस की संभावनाओं पर प्रतिकूल असर हुआ है।

ऐसा प्रतीत हो रहा है कि महाराष्ट्र एवं झारखंड चुनावों से पहले, आने वाले सप्ताहों में, सीट-शेयरिंग व्यवस्था को लेकर कांग्रेस पर मित्र दलों का दबाव बढ़ता जायेगा और भी ज्यादा महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को चुनौती देने की वाली राहुल गांधी की छवि, हरियाणा चुनावों के बाद कमज़ोर हुई है।

हरियाणा...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

छुटभैये नेताओं को नहीं सौंपने चाहिए तथा बाहरी लोगों की स्फिरिशें को मानने से बचना होगा। और उन्हें इस बात का भी जायज़ा लेते रहने की जरुरत है कि उनकी नाक के नीचे क्या हो रहा है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः 2386031, 2386032,फैक्सः0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालयः आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालयः राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600